15 OCT 3 2026.qxd 14-10-2026 22:55 Page 1

पुलिस लाइनमें संदिग्ध दशामें गोली लगनेसे सिपाहीकी मौत

वाराणसीका रहने वाला था अजय कुमार, पिस्टलकी सफाई करते समय गोली चलनेकी आशंका

पुलिस लाइन स्थित आवास पर बुधवार दोपहर संदिग्ध दशा में गोली लगने से हेड कांस्टेबल ३६ वर्षीय अजय कुमार मौर्या की मौत हो गई।



हत अजय मौर्याकी फाइल फोटो।

सरकारी पिस्टल से चली गोली गर्दन में लगने से मौके पर ही मौत हो गई। वाराणसी का रहने वाला सिपाही अजय कुमार मौर्या एक शासकीय अधिवक्ता का गनर था। पुलिस प्रशासन ने प्रथम दृष्टया सरकारी पिस्टल की सफाई करते समय गोली लगने की आशंका व्यक्त की है। हालांकि, वारदात के बाद आवासीय परिसर में तरह-तरह की चर्चा व्याप्त रहीं।

वाराणसी जिले के चोलापुर थानाक्षेत्र के भोपापुर गांव निवासी ३६ वर्षीय अजय कुमार मौर्या २०११ बैच में यूपी पुलिस भर्ती हुए थे। वह पत्नी और दो बच्चों के साथ पुलिस लाइन स्थित सरकारी आवास में रहता था। हेड कांस्टेबल अजय कुमार मौर्या जुलाई २०२४ से प्रयागराज में तैनात था। पुलिस के अनुसार, बुधवार दोपहर बच्चे स्कूल गए थे, जबकि आवास में अजय मौर्या और उनकी पत्नी अलका मौर्या मौजूद थी। दोपहर करीब दो अचानक पिस्टल से गोली चलने की आवाज सुनकर हडकंप मच गया। पत्नी अलका की चीख पुकार सुनकर आवासीय परिसर के लोग पहुंचे, तो अजय मौर्या गर्दन में गोली लगने से लहूलुहान पड़े थे। पुलिस ने तत्काल एंबुलेंस से एसआरएन अस्पताल भेजा, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। घटनास्थल पर डीसीपी नगर सागर जैन, एसीपी कर्नलगंज विवेक यादव, थाना प्रभारी ज्ञानेश्वर मिश्रा और फॉरेंसिक टीम पहुंची। पुलिस के अनुसार, प्रारंभिक जांच में ड्यूटी पर जाने से पहले सरकारी पिस्टल की सफाई करते समय गोली चलने की बात सामने आई है। जबकि, आवासीय कॉलोनी में दबी जुबान पारिवारिक कलह से लेकर आत्महत्या तक करने की चर्चा रही। हालांकि पुलिस इसे हादसा मानकर जांच आगे बढ़ा रही है। हेड कांस्टेबल की अचानक मौत से पुलिस महकमे में शोक की लहर है। डीसीपी नगर सागर जैन ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला दुर्घटना का प्रतीत हो रहा है।

सरकारी असलहे से अचानक गोली चलने की बात सामने आई है। शव को पीएम भेज दिया गया है। पूरे घटनाक्रम की विस्तृत जांच की जा रही है।

हादसा या कुछ और जांचमें जुटी पुलिस

पुलिस के मुताबिक प्रारंभिक जांच में असलहे की सफाई के दौरान अचानक गोली चलने की आशंका जतायी गयी है। आवास में सिपाही और उनकी पत्नी घटना की वक्त थी। बच्चे स्कूल गये थे। वहीं आवासीय परिसर में दबी जुबान से तरह-तरह की चर्चायें होती है। पुलिस ने किसी अन्य की आशंका की पुष्टि नहीं की है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जांच पूरी होने पर ही घअना की वास्तविक वजह स्पष्ट हो सकेगी। वहीं फोरेंसिक टीम ने घटना स्थल पर जांच कर साक्ष्य एकत्र किये हैं। घटना के बाद पत्नी, बच्चे एवं परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

पुलिस लाइनमें पहले भी हो चुकी हैं सनसनीखेज वारदातें

पुलिस लाइन स्थित सरकारी आवासों में पहले भी ऐसी घटनाएं हो चुकी हैं, जिन्होंने पूरे पुलिस महकमे को झकझोर दिया था। बुधवार को हेड कांस्टेबल अजय कुमार मौर्य की सरकारी पिस्टल से गोली लगने के बाद मौत ने एकबार फिर पुलिस लाइन परिसर को चर्चा में ला दिया है। पुलिस प्रथम दृष्टया इसे असलहे की सफाई के दौरान हादसा मान रही है।

पुलिस लाइन में इससे पहले २१ अक्तूबर २०१९ को दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई थी। डीआईजी कार्यालय में तैनात फॉलोवर गोविंद नारायण ने अपने सरकारी आवास में पत्नी चंद्रा और बेटे सोनू की हथौड़े से वार कर हत्या कर दी थी। इसके बाद उसने खुद फांसी लगाकर जान दे दी थी। एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत से पुलिस लाइन में हड़कंप मच गया था। इसके करीब तीन साल बाद, तीन अगस्त २०२२ को पुलिस लाइन परिसर में ही २०१९ बैच के सिपाही आकाश कुमार ने सरकारी कार्बाइन से खुद को गोली मार ली थी। मथुरा निवासी आकाश की तैनाती उतरांव थाने में थी। गैरहाजिरी के बाद उसे पुलिस लाइन भेजा गया था। अब हेड कांस्टेबल अजय मौर्य की मौत ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। क्या सरकारी असलहों के सुरक्षित इस्तेमाल और रखरखाव की नियमित निगरानी हो रही है। क्या पुलिसकर्मियों की मानसिक और पारिवारिक परेशानियों पर भी समय रहते ध्यान दिया जाता है इन घटनाओं की परिस्थितियां अलग-अलग हैं, लेकिन पुलिस लाइन जैसे परिसर में हुई मौतें सुरक्षा, प्रशिक्षण और कल्याण व्यवस्था पर सवाल उठाती है।

परेड ग्राउंडमें मिला बुजुर्ग महिलाका शव

दारागंज थाना क्षेत्र के परेड ग्राउंड स्थित पावर हाउस के पास एक वृद्ध महिला का शव मिलने से हड़कंप मच गया। महिला की उम्र करीब ७० वर्ष है। उसकी पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। महिला के मुंह पर खून लगा था। प्रथम दृष्टया पुलिस दुर्घटना में मौत की आशंका जता रही है। महिला की पहचान कराने का प्रयास किया जा रहा है।



श्रीपजावा एवं पथरचट्टी रामलीला कमेटीकी भोरमें निकली श्रृंगारकी चौकी।

भोरमें पजावा-पथरचट्टीकी श्रृंगार झांकीने मन मोहा

प्रयागराज का दशहरा महोत्सव अपने आप में अनोखा है। खासकर पजावा और पथरचट्टी की रामलीला हो या फिर रामदल। देखने के लिए लोग दूर-दूर से आते हैं। इसमें खास भोर में निकलने वाली झांकियों के दर्शन के लिए इंतजार करते हैं। बुधवार भोर में जब पजावा एवं पथरचट्टी कमेटी की ओर से श्रृंगार की झांकी निकली तो दर्शन के लिए उमड़ पड़े। श्री महंत बाबा हाथीराम पजावा रामलीला कमेटी की ओर से निकाली गयी श्रृंगार की झांकी शाहगंज स्थित राम मंदिर से निकलकर घंटाघर पहुंची। राम-लक्ष्मण एवं सीता के सौदर्य एवं श्रृंगार देख लोग आश्चर्यचकित रह रहे गये।

सूर्यमुखी विमान जैसी दिख झांकी के दर्शनके लिए लोग लालायित रहे। दूसरी ओर श्री पथरचट्टी रामलीला कमेटी की ओर से निकाली गयी श्रृंगार झांकी पर राम-लक्ष्मण सवार होकर हीवेट रोड स्थित राम मंदिर से घंटाघर पहुंचे। दोनों श्रृंगार झांकी भोर करीब पांच बजे घंटाघर पर एक-दूसरे के सामने आईं तो वहां पर मौजूद भक्तों जय श्री राम का उद्घोष करने लगे। जिससे पूरा क्षेत्र गुंजायमान हो उठा।

भगवान के श्रृंगार का दर्शन-पूजन करने को होड़ लग गई। हर कोई उन्हें अपने मोबाइल में कैद करता रहा। जय श्रीराम-जय श्रीराम और सियावर रामचंद्र की जय के जयकारे लगाए जाने लगे। करीब पंद्रह मिनट तक घंटाघर पर मनमोहक नजारा दिखाई दिया।

भगवान आशीर्वाद की मुद्रा में जनमानस को दर्शन देते हुए अपने-अपने गंतव्य की ओर प्रस्थान किए।

जनगणनाके लिए प्रशिक्षित हुए मास्टर ट्रेनर्स

भारत की जनगणना-२०२७ के द्वितीय चरण की तैयारियों को लेकर झलवा स्थित शम्भूनाथ इंस्टीट्यूट आफ इंजीनियरिंग एण्ड टेक्नोलाजी में फील्ड ट्रेनरों का प्रशिक्षण हुआ। प्रशिक्षण के दौरान मास्टर ट्रेनर्स द्वारा जनगणना की प्रक्रिया, प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों की भूमिका तथा डिजिटल माध्यम से आंकड़ो के संकलन एवं प्रविष्टि के संबंध में जानकारी दी गयी। प्रतिभागियों को जनगणना के कार्यो को सुचारू, सटीक एवं समयबद्ध निष्पादन के लिए आवश्यक प्रक्रियाओं एवं व्यावहारिक पहलुओंसे अवगत कराया गया। जिलाधिकारी, सीडीओ, अपर नगर आयुक्त आदि द्वारा फील्ड ट्रेनरों से संवाद कर उनकी जिज्ञासाओं को शांत किया गया।

दहेजके लिए विवाहिताको मारपीट कर घरसे निकाला

दहेज में १० लाख रुपये और कार की मांग पूरी नहीं होने पर विवाहिता को प्रताड़ित करने, जबरन गर्भपात कराने और मारपीट कर घर से निकालने का आरोप लगा है। पीड़िता ने अपने पति, सास, ससुर, जेठ समेत पांच लोगों के खिलाफ पुलिस आयुक्त से शिकायत की है। आरोपित पति केंद्रीय विद्यालय में शिक्षक है, जबकि ससुर उत्तर प्रदेश पुलिस में दारोगा हैं। पीड़िता ने मेजा थाने में शिकायत के बावजूद कार्रवाई नहीं होने पर पुलिस अधिकारियों से शिकायत की तो महिला थाना पुलिस मुकदमा दर्ज कर जांच कर रही है।

मेजा क्षेत्र के समोगरा गांव की रहने वाली एक महिला ने पुलिस को बताया कि उसकी शादी वर्ष २०२१ को विपुल कुमार पांडेय के साथ हुई थी। शादी में मायके पक्ष ने १० लाख रुपये नकद, पांच लाख रुपये के जेवर और गृहस्थी का अन्य सामान दिया था। आरोप है कि ससुराल पहुंचने के बाद से ही कम दहेज मिलने का ताना देकर उसे प्रताड़ित किया जाने लगा। पति और ससुराल के अन्य सदस्य १० लाख रुपये औरकार की मांग करने लगे। मांग पूरी नहीं होने पर तलाक देकर दूसरी शादी करने की धमकी दी जाती थी। पीड़िता का आरोप है कि वर्ष २०२४ में गर्भवती होने पर पति और ससुराल के अन्य सदस्यों ने एक अन्य महिला के साथ मिलकर उसे जबरन दवा खिलाई, जिससे उसका गर्भपात हो गया। विरोध करने पर जान से मारने की धमकी दी गई। पीड़िता के मुताबिक, उसे मायके वालों से फोन पर बात करने की भी स्वतंत्रता नहीं थी। जब कभी बात कराई जाती थी तो मोबाइल का स्पीकर चालू रखा जाता था। शिकायत के अनुसार, २८ मार्च २०२६ को पति, सास, ससुर, जेठ और एक अन्य महिला ने उसके साथ मारपीट की। आरोप है कि इस दौरान उसके जेवर, कपड़े और अन्य स्त्रीधन छीनकर उसे घर से निकाल दिया गया। साथ ही धमकी दी गई कि दहेज की मांग पूरी किए बिना दोबारा घर आने पर उसे जान से मरवा दिया जाएगा। महिला थाना पुलिस मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

जबरन गर्भपात करानेका आरोप, शिक्षक पति सहित पांच नामजद

मांके स्कंदमाता स्वरुपका दर्शन-पूजन आज



नवरात्र में माता दुर्गा के नौ रूपों में से एक मां स्कंदमाता के स्वरूप की पूजा-अर्चना पांचवें दिन की जाती है। इस देवी की चार भुजाए है। इनकी दायीं तरफ की ऊपर वाली भुजा से स्कंद को गोद में पकड़े हुए है। नीचे वाली भुजा में कमल का पुष्प है।

स्कंदमाता पहाड़ों पर रहकर सांसारिक जीवों में नवचेतना का निमर्सण करने अभिहित किया गया है। इनकी दायी तरफ की ऊपर वाली वाली है। देवी की कृपा से मूढ़ भी ज्ञानी हो जाता है। स्कंद कुमार कार्तिकेय की माता के कारण इन्हें स्कंदमाता नाम से भुजा से स्कंद को गोद में पकडे हुए है। पीचे वाली भुजा में कमल का पुष्प है। ये कमल के आसन पर विराजमान रहती है। ये कमल के आसन पर विराजमान रहती है। इसलिए इन्हें सना भी कहा जाता है। सिंह इनका वाहन है। इनकी भुजा से भोकामा सुलभ होता है। यह देवी विद्वानों और सेवकों को पैदा करने वाली शक्ति है। यानी चेतना का निर्माण करने वाली है।

प्यारा सजा है तेरा द्वार भवानी, भक्तोंकी लगी है कतार...

शारदीय नवरात्र : देवी मंदिरोंमें उमड़े श्रद्धालु, की मांकी आराधना

शारदीय नवरात्र के चौथे दिन नगर के खेमा माई, कालीबाड़ी सहित सभी देवी मंदिरों में सुबह से ही श्रद्धालुओं की रेला उमड़ रहा। दोपहर तक पूजन-अर्चन और फिर शाम को मां के श्रृंगार का दर्शन कर परिवार की सुख समृद्धि की कामना



की। इस दौरान मां अलोपीशंकरी, मां कल्याणी देवी एवं मां ललिता देवी का दरबार आकर्षक ढंग से सजाया गया था, जो दूर से ही एक अलग सकरात्मक ऊर्जा की अनुभूति कराता रहा। अलोपीबाग स्थित मां अलोप शंकरी मंदिर में बुधवार सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ जुटने लगी।

शारदीय नवरात्र के चौथे दिन भक्तों ने मां के कूष्मांडा स्वरूप का दर्शन पूजन किया। मां दरबार में माथा टेककर लाल चुनरी, नारियल और फूल चढ़ाए। लोगों ने परिवार की सुख-समृद्धि और खुशहाली की प्रार्थना की। वहीं मां कल्याणी देवी की कूष्माण्डा स्वरूप के भव्य श्रृंगार के दर्शन के लिए भक्त कतारबद्ध होकर मां के चमत्कारी एवं आकर्षक श्रृंगार का दर्शन कर कृतकृत्य हो गये। अध्यक्ष पंडित सुशील पाठक ने मां की महाआरती शाम सात बजे की। इससे पूर्व सुबह करीब सवा पांच बजे महामंत्री पंडित श्याम जी पाठक ने विधि विधान पूर्वक मां कल्याणी देवी का मंगला आरती उतारी। जिसके मां केदर्शन-पूजन का क्रम दोपहर एक बजे तक चला। मां का पूजन एवं महाभिषेक किया गया। मंदिर परिसर में अनेक मुंडन व कर्णछेदन संस्कार भक्तों ने अपने बच्चों के करवाये। शतचण्डी महायज्ञ में श्रद्धालुओं ने पूजा-अर्चना का पुण्य लाभ प्राप्त किया। शाम से लेकर देर रात तक भक्त मां के श्रृंगार दर्शन के लिए जुटे रहे। मीडिया प्रभारी राजेश केसरवानी ने बताया कि मंदिर परिसर में भारी भीड़ के कारण नवरात्रि मेले की व्यवस्था में पंडित संतोषानंद महाराज, अनिल पाठक, कृष्ण कुमार पाठक, राजेश केसरवानी सुधीर पाठक महेंद्र तिवारी, आदि जुटे रहे। इसी क्रम में मीरापुर स्थित प्राचीन राजराजेश्वरी त्रिपुर सुंदरी सिद्धपीठ माँ ललिता देवी मंदिर में माता के कूष्मांडा स्वरूप का बहुरंगी फूलों से भव्य एवं दिव्य श्रृंगार किया गया। फूलों से सजा माँ का दरबार अलौकिक लग रहा था। पूरा मंदिर परिसर माता रानी के जयकारों से गूंज उठा। प्रात:काल मां की मंगला आरती के साथ दिन का शुभारंभ हुआ। सुबह से ही मंदिर में नारियल, चुनरी चढ़ाने के लिए श्रद्धालुओं की लंबी कतार लगी रही, जो देर रात्रि तक जारी रही। नवरात्रि के पावन अवसर पर कई परिवारों ने अपने बच्चों के मुंडन और कर्णछेदन संस्कार भी मंदिर परिसर में सम्पन्न कराये। मंदिर समिति के अध्यक्ष हरिमोहन वर्मा और महामंत्री प्रदीप जायसवाल ने बताया कि प्रात:काल से ११ विद्वान ब्राह्मणों द्वारा दुर्गा सप्तशती का सस्वर पाठ किया गया। सायंकाल महिला मंडली द्वारा ढोलक-मंजीरे की थाप पर माता के भजनों की मनमोहक प्रस्तुति दी गई। व्यवस्था संभालने में महेन्द्र मालवीय, उमेश मिश्रा, गिरिशंकर प्रभाकर, संजय उपाध्याय, दिलीप केशरी, हरीश खरे, कमलेश सुमित श्रीवास्तव आदि सक्रिय रूप से लगे रहे।

खुर्शीदकी मौतके मामलेमें नगर निगमके जोनल अधिकारीपर मुकदमा

नगर निगमके जोनल कार्यालयमें गिरा था पिलर, निर्माण कार्यके बीच चल रहा था कार्यालय

खुल्दाबाद स्थित नगर निगम के जोनल कार्यालय में जर्जर पिलर गिरने से मोहम्मद खुर्शीद की मौत मामले में नगर निगम के जोन एक के जोनल अधिकारी एवं ठेकेदार के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गयी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। आठ अक्टूबर को वह अपने भवन का खसरा लेने कार्यालय गए थे। आरोप है कि बाबू परमेन्द्र कुमार से मिलने के बाद बाहर निकलते समय उनके ऊपर जर्जर भवन का पिलर गिर गया। हादसे में उनकी जान चली गयी थी। मृतक के बेटे आयान खुर्शीद ने इस मामले में खुल्दाबाद थाने में तहरीर देकर नगर निगम के जोनल अधिकारी और निर्माणाधीन भवन के ठेकेदार पर लापरवाही का आरोप लगाया है। पीड़ित ने दी तहरीर में बताया कि खुर्शीद कई दिनों से खसरा लेने के लिए नगर निगम कार्यालय के चक्कर लगा रहे थे। आठ अक्टूबर को बाबू परमेन्द्र कुमार के बुलाने पर वह खसरा लेने पहुंचे थे। उनसे मुलाकात के बाद बाहर निकलते समय यह हादसा हो गया। आयान का आरोप है कि नगर निगम कार्यालय के आधे हिस्से में निर्माण कार्य चल रहा था, जबकि दूसरे हिस्से में कार्यालय संचालित किया जा रहा था। यदि निर्माण कार्य के दौरान कार्यालय को दूसरी जगह स्थानांतरित कर दिया गया होता तो शायद उनके पिता की जान बच सकती थी। उन्होंने हादसे के लिए संबंधित अधिकारियों और ठेकेदार की लापरवाही को जिम्मेदार ठहराते हुए मुकदमा दर्ज कराया है। खुल्दाबाद पुलिस का कहना है कि एफआईआर दर्ज कर जांच की जा रही है।

